# आरती कीजै हनुमान लला की

Aarti Kije Hanuman Lala Ki — Hanuman Aarti · Goswami Tulsidas

> आरती कीजै हनुमान लला की।
> दुष्ट दलन रघुनाथ कला की॥

जाके बल से गिरिवर कांपे।
रोग दोष जाके निकट न झांके॥

अंजनि पुत्र महा बलदाई।
संतन के प्रभु सदा सहाई॥

दे बीरा रघुनाथ पठाए।
लंका जारि सीय सुधि लाए॥

लंका सो कोट समुद्र सी खाई।
जात पवनसुत बार न लाई॥

लंका जारि असुर संहारे।
सियारामजी के काज संवारे॥

लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे।
आनि संजीवन प्राण उबारे॥

पैठि पाताल तोरि जमकारे।
अहिरावण की भुजा उखारे॥

बाईं भुजा असुर दल मारे।
दहिने भुजा संतजन तारे॥

सुर नर मुनि जन आरती उतारे।
जय जय जय हनुमान उचारे॥

कंचन थार कपूर लौ छाई।
आरती करत अंजना माई॥

जो हनुमानजी की आरती गावै।
बसि बैकुंठ परमपद पावै॥

लंक विध्वंस किए रघुराई।
तुलसीदास स्वामी कीर्ति गाई॥